

2

सच्ची शिक्षा

(शिक्षाप्रद कहानी)

Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

शब्द-ज्ञान

1. उचित समान अर्थ में सही (✓) का निशान लगाइए-

अनुमति -	आज्ञा		अभिमान	
आनंद -	खुशहाल		मज़ा	
ईर्ष्या -	दयालु		जलन	
सिर्फ -	केवल		अन्य	
दुबारा -	दूसरा		पुनः	

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के अर्थ से वाक्य पूरे कीजिए-

- (क) नंदिनी हमेशा दूसरे नंबर पर ही रहती है। इससे तो मैं ही उससे अच्छी होती हूँ। (साबित)
- (ख) नंदिनी उनकी हर तरह से मदद करने की करती। (प्रयत्न)
- (ग) उसे कुछ-कुछ होने लगा था कि वह लड़की कौन है! (अंदाज़ा)
- (घ) हमें कभी भी किसी चीज़ पर नहीं करना चाहिए। (अभिमान)

Grammar समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE व्याकरण

1. सही विलोम पर (गोला) लगाइए—

शाम	-	सुबह	प्रातः	प्रभात
उच्च	-	नीचा	निम्न	ऊँचा
अन्याय	-	इंसाफ	फैसला	न्याय
झूठ	-	सच	यथार्थ	सत्य

2. दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखिए—

खिल्ली उड़ाना	—	
आँखें खोलना	—	
नाक में दम करना	—	
आग बबूला होना	—	

3. मिलान कीजिए—

लड़कियाँ

आँख

हाथ

तसल्ली

अंग्रेज़ी

दोस्त

पेड़

सड़क

झुंड

स्त्रीलिंग

पुल्लिंग

4. नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

सहानुभूति -

गृहकार्य -

व्यक्ति -

विद्यार्थी -

Writing Tasks समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

लेखन-कार्य

1. दिए गए वाक्यों में सही ✓ या ✗ का निशान लगाइए—

(क) नंदिनी अपनी कक्षा में प्रथम आती थी।



(ख) नंदिनी ने अनिता की जान बचाई थी।



(ग) नंदिनी को सभी लड़कियाँ प्यार करती थीं।



(घ) अंत में अनिता को अपनी गलती पर पछतावा हुआ।



2. अति लघु उत्तर लिखिए—

(क) अनिता कैसी लड़की थी?

.....
.....

(ख) अगली सुबह तक किसका मन बदल चुका था?

.....
.....

3. लघु उत्तर लिखिए—

(क) अनिता के बारे में दो वाक्य लिखिए।

.....
.....

(ख) अनिता ने अपने व्यवहार में बदलाव का क्या राज़ बताया?

.....
.....

4. दीर्घ उत्तर लिखिए—

आप विद्यालय किस उद्देश्य से जाते हैं?

.....
.....
.....
.....

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

लेखन-कार्य

1. 'सच्ची शिक्षा' का अर्थ बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

[illegible]

Comprehension Passage

लेखांश-बोध फॉर्मेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

अपठित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

सही भोजन मिल जाए तो रोग पास नहीं फटक सकते। सही भोजन वह है जो ठीक समय पर, ठीक मात्रा में किया जाए, जिसमें भोज्य पदार्थों में संतुलन हो और जो सुपाच्य हो। आजकल भोजन के प्रति स्वाद के लालच में पौष्टिकता को भुलाया जा रहा है। आलू के चिप्स, पीज़ा, बर्गर और नूडल्स सब हानिकारक हैं, जो शरीर में कार्यक्षमता को घटा रहे हैं। आधा कच्चा मैदा पेट में जमा हो रहा है। बच्चों को हरी सब्जियाँ और ताज़ी रोटियाँ खानी चाहिए। कोल्ड ड्रिंक्स पी-पीकर दाँत और हड्डियाँ गल रही हैं। दूध, छाछ, नींबू पानी और फलों का रस हमारे देश के हर क्षेत्र में उपलब्ध है, उनका प्रचलन दिन पर दिन घट रहा है। हमें ज़्यादा से ज़्यादा पौष्टिक तत्व मिल सकते हैं, पर हम बेकार की चीज़ों की ओर भाग रहे हैं।

गुणों की ओर ध्यान देंगे तभी गुणवत्ता बढ़ेगी अन्यथा हमारे देश के बच्चे बचपन में ही बूढ़े होने लगेंगे। युवा अवस्था तक आते-आते उनके अंदर काम करने की ताकत ही नहीं रहेगी। सही सुपाच्य भोजन पर देश की क्षमता और भविष्य टिका हुआ है। हमें गुणवत्ता को बढ़ाना होगा।

1. उचित बहुवचन रूप में सही (✓) का निशान लगाइए—

कच्चा	-	कच्चे		कच्चों	
हड्डी	-	हड्डीयाँ		हड्डियाँ	

2. विलोम शब्द से मिलान कीजिए—

लाभदायक	कम
ज़्यादा	हानिकारक
पदार्थ	निरोग
रोग	अपदार्थ

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) सही भोजन किसे कहा गया है?

.....

(ख) शीतल पेय (कोल्ड ड्रिंक) से क्या हानि होती है?

.....

.....